मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 212, मुंबई, शनिवार, 1 अक्टूबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

डांडिया, गरबा के लिए लाउडस्पीकर, डीजे बजाने की जरूरत नहीं...

दूसरों को डिस्टर्ब किये बिना भी नवरात्रि मनाई जा सकती है: बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि डांडिया, गरबा के लिए लाउडस्पीकर, डीजे बजाने की जरूरत नहीं है। दूसरों को डिस्टर्ब किए बिना नवरात्रि मनाई जानी चाहिए। न्यायमूर्ति सुनील शुक्रे और न्यायमूर्ति गोविंद सनप की खंडपीठ ने कहा कि नौ दिनों के उत्सव के दौरान देवी की पूजा नहीं की जा सकती है यदि भक्त को परेशानी होती है या भक्त स्वयं दूसरों को परेशान करता है। पीठ ने कहा कि डांडिया और गरबा एक धार्मिक उत्सव का आंतरिक हिस्सा होने के कारण अभी भी विशुद्ध रूप से पारंपरिक और धार्मिक तरीके से किया जा सकता है जिसमें लाउडस्पीकर, डीजे ध्वनि और इसी तरह के आधुनिक उपकरण ना हों। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

खुश नहीं, शांति चाहती हूं...

भावुक नोट लिखकर मुंबई में 30 वर्षीय मॉडल ने की

आत्महत्या

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मायानगरी में कई युवा स्टार बनने के सपने लेकर आते हैं। अधिकांश हताश होकर लौट जाते हैं जबकि कुछ ही फिल्म या टीवी इंडस्ट्री में जम पाते हैं। ऐसी एक ही युवती 30 साल की आकांक्षा मोहन मुंबई आई। उसने फिल्म इंडस्ट्री में जाने के लिए स्ट्रगल किया। मॉडलिंग की लेकिन वह सफल नहीं हुई और हारकर आत्महत्या कर ली। मरने से पहले मॉडल ने बहुत ही मार्मिक सुइसाइड नोट लिखा। उसने लिखा कि वह खुश नहीं है और शांति चाहती है इसलिए आत्महत्या कर रही है। अकांक्षा की लाश एक होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटकती मिली। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

काम के लिए कर रही थी संघर्ष

काम के लिए संघर्ष कर रही मॉडल मुंबई के लोखंडवाला इलाके में यमुना नगर सोसाइटी में अपने माता-पिता के साथ रहती थी। वह बुधवार दिन में करीब एक बजे होटल आई थी। कमरे में आने के बाद उसने खुद को अंदर बंद कर लिया। अंधेरी के वसोर्वा पुलिस थाने में मॉडल की अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है।

बीएमसी और बेस्ट कर्मचारियों के लिए

दिवाली बोनस का ऐलान

निकाय चुनाव से पहले एकनाथ शिंदे का दांव?

मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) और बिजली आपूर्ति और परिवहन (बेस्ट) कर्मियों को 22,500 रुपये दीवाली बोनस के रूप में मिलेंगे। जबकि, आरोग्य सेविकाओं को एक माह का वेतन बतौर बोनस मिलेगा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में यूनियन नेताओं के साथ हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। इस योजना से कम से कम 93,000 बीएमसी कर्मचारी, और 29,000 बेस्ट कर्मचारी, शिक्षकों और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ इसे प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने घोषणा की है कि बेस्ट, शिक्षकों सहित बीएमसी कर्मचारियों को 22,500 रुपये और स्वास्थ्य कर्मियों को दिवाली बोनस के रूप में एक वेतन दिया जाएगा। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

एकनाथ शिंदे की घोषणा के बाद माना जा रहा है कि बीएमसी चुनाव में इसका पड़ेगा असर

राज कुंद्रा ने सीबीआई को लिखा लेटर

एक बिजनेसमैन और पुलिस पर लगाए आरोप, कहा- 4000 पन्नों की चार्जशीट में नहीं था नाम, फिर भी फंसाया

मुंबई। बिजनेसमैन राज कुंद्रा ने पोर्नोग्राफी मामले में सीबीआई को लेटर लिखा है। लेटर में उन्होंने दावा किया कि वो बेकसूर हैं और उन्हें जबरन इस मामले में फंसाया गया है। इसमें एक बड़े बिजनेसमैन और मुंबई पुलिस के कुछ अधिकारियों का हाथ है। ये मामला निजी दुश्मनी का भी है, जिसके चलते उन्हें फंसाया जा रहा है। हालांकि राज कुंद्रा ने अपने लेटर में उस बिजनेसमैन के नाम का खुलासा नहीं किया है। राज ने सीबीआई से इस मामले की जांच की मांग की है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

पुलिस ने बाकी 17 ऐप्स को नहीं किया हाईलाइट

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

महिलाओं का अधिकार

देश की सर्वोच्च अदालत ने अपने शरीर पर महिलाओं के अधिकार को फिर एक बार पुष्ट किया, तो यह स्वागतयोग्य होने के साथ ही आगे के फैसलों के लिए अनुकरणीय भी है। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने साफ फैसला सुनाया है कि किसी भी महिला, विवाहित या अविवाहित, को 24 सप्ताह तक बिना किसी मंजूरी के गर्भपात कराने का अधिकार है। इसके साथ ही अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी विवाहित महिला को जबरन गर्भवती करना 'मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी ऐक्ट' के तहत बलात्कार माना जा सकता है। गुरुवार को आए इस फैसले से महिला सशक्तीकरण को बहुत बल मिलेगा। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी ऐक्ट के तहत गर्भपात के नियम स्पष्ट रूप से वर्णित हैं, उन्हीं के अनुरूप सर्वोच्च अदालत ने फैसला सुनाया है। यह दुखद तथ्य है कि देश में अभी भी महिलाओं से जुड़े ज्यादातर फैसले पुरुष ही करते हैं। महिलाओं को अपने शरीर से जुड़े मुद्दों पर भी पुरुषों की मंजूरी लेनी पड़ती है, जबकि सर्वोच्च न्यायालय पहले ही महिलाओं के इस अधिकार पर रोशनी डाल चुका है। असल में, भारत जैसे सामाजिक रूप से जटिल पुरुषवादी देश में न्यायालयों को ऐसे फैसले बार-बार दोहराने या परिभाषित करने पड़ते हैं। ध्यान रहे, इस अधिकार तक पहुंचने में महिलाओं को लंबा समय लगा है। अपने इस अधिकार के प्रति सभी महिलाओं को जागरूक रहना चाहिए। पुरुषों को भी यह पता होना चाहिए कि उनका अधिकार क्षेत्र कहां खत्म हो जाता है। ऐसे फैसलों से प्रेरणा मिलनी चाहिए और महिलाओं के साथ किसी भी तरह की ज्यादती का अंत होना चाहिए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह भी कहा है कि विवाहित महिलाएं भी बलात्कार पीड़ित हो सकती हैं। बलात्कार का अर्थ है, बिना सहमति के संबंध बनाना। अगर ऐसा होता है, तो वैवाहिक रिश्ते में भी इसे दुष्कर्म ही माना जाएगा। महिला की सहमति सबसे जरूरी है। मौजूदा नियमों के अनुसार, तलाकशुदा, विधवा महिलाएं 20 सप्ताह के बाद गर्भपात नहीं करा सकतीं, लेकिन अन्य सभी महिलाओं के लिए 24 सप्ताह तक गर्भपात की अनुमति का प्रावधान है। अदालत का यह फैसला 25 साल की गर्भवती अकेली युवती की अर्जी पर आया है। इस युवती को उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिली थी, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय में न्याय के साथ ही नियमों को नई व्याख्या भी मिली है। शीर्ष अदालत ने साफ कर दिया कि किसी महिला से यह अधिकार छीनना उसकी गरिमा को कुचलने जैसा काम है। गर्भपात और महिलाओं के अधिकार के मामले में भारत सामान्य रूप से दुनिया में बहुत आगे है। अनेक देश अभी भी गर्भपात को मंजूरी नहीं देते हैं। गर्भपात को मंजूरी देने वाले देशों की संख्या 100 भी नहीं है। लीबिया, इंडोनेशिया, नाइजीरिया, ईरान और वेनेजुएला सहित लगभग 50 देश तब गर्भपात की अनुमति देते हैं, यदि किसी महिला का स्वास्थ्य जोखिम में हो। कई अन्य देश बलात्कार, अनाचार या भ्रूण असामान्यता की स्थिति में ही गर्भपात को मंजूरी देते हैं। अमेरिका में भी गर्भपात के अधिकार को लेकर विवाद चलता रहता है और वहां राज्यों के कानून अलग-अलग हैं। इस मोर्चे पर भारत के कानून काफी पुख्ता हैं, लेकिन यहां समाज में लोगों की सोच बदलने में समय लग रहा है। महिलाओं की सुरक्षा का दायरा बढ़ना चाहिए और यह तभी बढ़ेगा, जब उन्हें वास्तविक रूप से अधिकार दिए जाएंगे।

रेवड़ियां बंटती रहनी चाहिए

यह वित्तीय बोझ बढ़ाने के लिहाज से कोई खतरा नहीं है क्योंकि रेवड़ी बांटने पर ज्यादा खर्च नहीं आता है। सबको पता है कि रेवड़ी सबसे सस्ती मिठाई होती है। असली खतरा यह है कि सरकारें लोगों को इन छोटी छोटी चीजों में उलझा दे रही है और आम नागरिकों की भलाई के बड़े काम नहीं कर रही है। व्यापक समाज के हित में, देश के हित में, नागरिकों के हित में बड़े काम नहीं हो रहे हैं। बुनियादी ढांचे का विकास नहीं हो रहा है। इस खतरे पर ध्यान देना चाहिए। बाकी रेवड़ी बंटती रहनी चाहिए।

आजकल रेवड़ी राजनीति पर चर्चा स्थगित है। प्रधानमंत्री ने पिछले करीब दो महीने से इस बारे में कुछ नहीं कहा है। सुप्रीम कोर्ट में भी आखिरी बार 26 अगस्त को सुनवाई हुई थी, जिसमें एक विशेषज्ञ समिति बनाने की बात हुई थी। उसके बाद क्या हुआ पता नहीं है। सोचें, कुछ दिन पहले ऐसा लग रहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिसे 'रेवड़ी कल्चर' बताया है वह देश की राजनीति और लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है और इससे जितनी जल्दी मुक्त हुआ जाए, देश के लिए उतना अच्छा है। लेकिन 'रेवड़ी कल्चर' पर चर्चा परवान चढ़ती तब तक दो राज्यों के विधानसभा चुनाव आ गए और सरकार बहादुर झोला लेकर रेवड़ी बांटने निकल पड़े। ऐसे में इस पर क्या चर्चा होती! सो, थोड़े दिन के लिए इसे स्थगित कर दिया गया है। हो सकता है कि यह स्थायी रूप से ही स्थगित रहे क्योंकि अगले साल कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और उसके अगले साल लोकसभा के चुनाव हैं।

यह भी संभव है कि माननीय अदालत की विशेषज्ञ समिति कोई रिपोर्ट दे और उस आधार पर रेवड़ी-रेवड़ी में फर्क बताया जाए। जैसे पांच किलो मुफ्त अनाज देने को रेवड़ी न माना जाए और दो सौ यूनिट बिजली देने को रेवड़ी माना जाए। प्रधानमंत्री की ओर से किसानों को दी जाने वाली सम्मान निधि को रेवड़ी नहीं माना जाए और तेलंगाना सरकार की ओर से रैयतू बंधु योजना के तहत दी जाने वाली मदद को रेवड़ी घोषित कर दिया जाए। ध्यान रहे केंद्र सरकार ने पांच किलो अनाज देने की योजना को तीन महीने के लिए बढ़ा दिया है। अब यह योजना 31 दिसंबर तक चलेगी। तब तक दो राज्यों के चुनाव निकल जाएंगे। इस योजना के तीन महीने के लिए बढ़ाने के साथ ही यह भी खबर आई कि सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में चार फीसदी की बढ़ोतरी की है। केंद्र सरकार इसे भी रेवड़ी नहीं मानती है लेकिन पता नहीं मीडिया वालों को यह समझ में क्यों नहीं आ रहा है, जो उन्होंने यह हेडिंग लगाई कि 'दिवाली से पहले केंद्रीय कर्मचारियों को सरकार का तोहफा'! अब जब तोहफा है तो रेवड़ी ही हुआ ना! इसके साथ ही तीसरी खबर यह थी कि बिहार में अब विधायकों और विधान पार्षदों को हर साल 30 हजार यूनिट बिजली फ्री मिलेगी। अंधा बांटे रेवड़ी फिर फिर अपने को दे!

सो, ऐसी रेवड़ियां सरकारें बरसों से बांट रही हैं। लेकिन अब तक ये रेवड़ियां केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों को मिलती थीं। विधायकों, सांसदों, मंत्रियों को मिलती थीं। बड़े कॉरपोरेट को टैक्स में छूट या कर्ज माफी के रूप में मिलती थीं। यह सब कुछ अब भी चल रहा है लेकिन उस पर कोई चर्चा नहीं होती है। इसी साल संसद के मॉनसून सत्र में भारत सरकार ने बताया कि पिछले पांच वित्तीय वर्ष में करीब 10 लाख करोड़ रुपए का कर्ज बट्टेखाते में डाला गया है। यानी हर साल औसतन दो लाख करोड़ रुपए का कर्ज बट्टेखाते में जा रहा है यानी डूब रहा है। जिन कारोबारियों के कर्ज बट्टे खाते में डाले गए उनमें से 10 हजार से कुछ ज्यादा तो ऐसे हैं, जिनके पास पैसा है लेकिन उन्होंने कर्ज नहीं चुकाया। ये विलफुल डिफॉल्टर हैं। जिन लोगों के कर्ज बट्टेखाते में डाल गए उनमें से सबसे ज्यादा 'मेहुल भाई' की कंपनी गीतांजली जेम्स लिमिटेड के हैं। सरकार ने 10 लाख करोड़ रुपए का कर्ज बट्टेखाते में डाला है तो लगभग इतनी ही रकम का कॉरपोरेट टैक्स भी माफ किया है। लेकिन इसको रेवड़ी नहीं कहा जा रहा है। जिन सरकारी कर्मचारियों को पहले से मोटा वेतन या पेंशन मिल रहा है उनकी सुविधाओं में बढ़ोतरी रेवड़ी नहीं है। सांसदों, विधायकों को मिलने वाली सुविधाओं में बढ़ोतरी रेवड़ी नहीं है। फिर आम लोगों को मुफ्त बिजली, पानी, पोशाक, साइकिल आदि देना रेवड़ी कैसे है?

तभी सरकार को इस चर्चा में पड़ना ही नहीं चाहिए। सरकार मजे में अपना काम करे और आम लोगों को थोड़ी से रेवड़ी पकड़ा दे! आखिर सरकार दशकों से यहीं काम तो कर रही है। आम लोगों से लाखों करोड़ रुपए का टैक्स सरकार वसूलती है और उससे सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और सरकारी कर्मचारियों के वेतन भत्ते देती है और सरकारी संस्थाओं को चलाने में यानी इस्टैबलिशमेंट में खर्च करती है। सरकार का कुल काम यहीं प्रबंधन करना है। टैक्स वसूलना है और कर्मचारियों का वेतन भत्ता देना है। यह झूठ बात है कि सरकार टैक्स के पैसे से विकास के काम करती है। अब विकास के काम निजी कंपनियां करती हैं। सरकार उनको ठेका देती है। उसके बाद बैंकों में जमा आम लोगों के पैसे में से बैंक उन्हें कर्ज देते हैं और वे इमारतें, सड़कें आदि बनवाते हैं। जैसे अभी तीन शहरों में रेलवे स्टेशनों में सुधार की 10 हजार करोड़ रुपए की योजना की घोषणा हुई है। यह पीपीपी मोड पर बनेगा यानी इसमें कुछ पैसा सरकार देगी और बाकी जिस कंपनी को ठेका मिलेगा वह लगाएगी। बाद में स्टेशन सुधर जाएंगे तो वहां आने-जाने वाले आम लोगों से मोटा यूजर चार्ज वसूला जाएगा। सरकारों का काम इसमें पहले कमीशन लेना और बाद में जीएसटी वसूलना रह जाता है। यहीं हाल सड़कों का है। सरकार हमारे टैक्स के पैसे से सड़क बनवा रही है और फिर उसी सड़क पर चलने के लिए हमसे मोटा पैसा वसूल रही है!

असल में 'रेवड़ी कल्चर' से दिक्कत तब शुरू हुई, जब आम आदमी पार्टी ने इसे बड़ा राजनीतिक हथियार बना लिया और हर जगह मुफ्त में चीजें बांटने की घोषणाएं शुरू कर दीं। दिल्ली में मिली कामयाबी के बाद पार्टी ने पंजाब में इसे सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया। जब उन्होंने गुजरात जाकर मुफ्त में बिजली, पानी देने और वयस्क महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए देने आदि की घोषणा शुरू की तब जाकर प्रधानमंत्री को लगा कि यह वाला 'रेवड़ी कल्चर' देश और लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा है। यह खतरा है लेकिन उस मायने में नहीं, जिस मायने में प्रधानमंत्री कह रहे हैं या जिस मायने में सुप्रीम कोर्ट इसकी व्याख्या कर रहा है। यह वित्तीय बोझ बढ़ाने के लिहाज से कोई खतरा नहीं है क्योंकि रेवड़ी बांटने पर ज्यादा खर्च नहीं आता है। सबको पता है कि रेवड़ी सबसे सस्ती मिठाई होती है। असली खतरा यह है कि सरकारें लोगों को इन छोटी छोटी चीजों में उलझा दे रही है और आम नागरिकों की भलाई के बड़े काम नहीं कर रही है। व्यापक समाज के हित में, देश के हित में, नागरिकों के हित में बड़े काम नहीं हो रहे हैं। बुनियादी ढांचे का विकास नहीं हो रहा है। इस खतरे पर ध्यान देना चाहिए। बाकी रेवड़ी बंटती रहनी चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

15 दिनों से पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं कादर पैलेस निवासी

इमारत की रहिवासी महिलाओं ने किया पानी पुरवठा विभाग कार्यालय का घेराव

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। कादर पैलेस इलाके के निवासी पानी आपूर्ति के कारण 29 सितंबर गुरुवार को महिलाएं द्वारा मोर्चा निकालकर पानी पुरवठा विभाग कार्यालय का घेराव किया गया इस मामले में कादर पैलेस निवासी महिलाओं ने बताया हम लोग 15 दिनों से पानी की किल्लत से झुंज रहे हैं हमारे इलाके की इमारत अल्फिया अपार्टमेंट, हेवन हाइट्स सोसायटी, डोंगरे प्लाजा, रेहान अपार्टमेंट और कई एक इमारत है जिसमें पानी आपूर्ति हों रही है हम लोगों द्वारा यह समझा गया कि शायद पानी पूरे मुंब्रा में नहीं आ रहा होगा इसी कारण हम लोग किसी तरह पानी

की दिक्कतों को झेल रहे थे लेकिन जैसी हमें पता लगा कि पानी सिर्फ हमारी चंद इमारतों में नहीं आ रहा है जिसके कारण हम तमाम महिलाओं और पुरुष मिलकर पानी पुरवठा विभाग कि यहां पर शिकायत करने के लिए आए हैं हमारी शिकायत पर तुरंत पानी पुरवठा विभाग के कर्मचारी को कादर पैलेस में पाइपलाइन की मरम्मत के लिए भेजा गया ताकि किसी तरह से पाइपलाइन को जोड़ा जा सके स्थानीय रहवासी द्वारा कहा गया है कि जिस तरह से हम पानी का बिल समय पर भरते हैं और देरी हो जाने पर पानी पुरवठा विभाग के अधिकारी की तरफ से पानी की मोटर जप्त की जाती है तो क्या पानी पुरवठा विभाग के अधिकारी की जिम्मेदारी नहीं है कि वह संज्ञान में लें कौन सी इमारत में पानी आपूर्ति है या नहीं फिलहाल इमारत के रहिवासियों ने कहा है हम जाकर देखते हैं अगर हमारे इलाके में पानी आ गया तो ठीक नहीं तो हम इसके आगे आला अधिकारी से पानी की दिक्कत की शिकायत करेंगे अब देखना यह है की कादर पैलेस रहवासियों की शिकायत पर पानी पुरवठा विभाग द्वारा पानी देने की शुरूआत की जाती है या नहीं।

पतंग उड़ाते समय पैर फिसलकर चेंबर में गिरने से हुई 13 वर्षीय नाबालिक बच्चे की मौत

संवाददाता/समद खान

भिवंडी। गत 28 सितंबर बुधवार दोपहर 1:30 बजे पतंग उड़ाते समय पैर फिसलकर चेंबर में गिरने से नाबालिग बच्चे की मौत का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में विश्वसनीय सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार जाहिद मंसूरी वर्ष 13 रहिवासी शांति नगर संजय नगर का बताया जा रहा है यह बच्चा दोपहर में अपने दोस्तों के साथ मिलकर पोगांव चौकी पाइप लाइन के पास पतंग उड़ा रहा था पतंग उड़ाते समय बच्चे का पैर फिसलकर मुंबई महानगर पालिका का खुला चेंबर मैं जा गिरा स्थानीय रहिवासियों द्वारा दमकल विभाग को और पुलिस को सूचना दी गई सूचना मिलते ही आधे घंटे के भीतर पुलिस

और दमकल विभाग की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गई एक घंटे की मशक्कत के बाद बच्चे को चेंबर से बाहर निकाला गया और नजदीकी आईजीएम हॉस्पिटल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया जहां पर बच्चे को डॉक्टरों ने जांच करने के बाद मृत घोषित कर दिया इस मामले में स्थानीय रहवासियों ने बताया कि बच्चा जिस चेंबर के अंदर गिरा था उसकी गहराई 20 फुट है बच्चे के सर पर चोट लगने की वजह से उसकी मौत हो गई है और बताया की इस चेंबर में कई कुत्ते गिरकर मर गए है क्योंकि कई सालों से चेंबर बिना ढक्कन के खुला पड़ा है पूर्व नगरसेवक ने बताया यह मुंबई महानगरपालिका की भरपूर लापरवाही है जिसके कारण मासूम नाबालिक बच्चे की जान गई है इसकी पूरी जिम्मेदार यहां की नगरपालिका है और हम लोग मृत बच्चे की मुआवजे की मांग करेंगे।

सम्राट नगर परिसर में दो गुटों में हुआ जमकर विवाद

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 29 सितंबर गुरुवार शाम को सम्राट नगर परिसर में दो गुटों में जमकर विवाद का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में विश्वसनीय सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंब्रा पुलिस स्टेशन के सामने सम्राट नगर परिसर में दो गुटों में शाम 5 बजे के वक्त जमकर विवाद हुआ है जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल किया जा रहा है विवाद किस बात को लेकर हुआ

है इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है लेकिन बताया जा रहा है कि जो लोग विवाद करने के लिए आए थे वह बाहर से आए हुए थे इस विवाद में दोनों गुटों में धारदार हथियार से वार किया गया गौरतलब बात तो यह है यह विवाद सम्राट नगर परिसर के मुख्य सड़क पर दिनदहाड़े किया गया जिसमें 2 से 3 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है फिलहाल मामला मुंब्रा पुलिस स्टेशन पहुंचा जहां पर घायलों को कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में उपचार हेतु भेजा गया आगे की कार्रवाई मुंब्रा पुलिस द्वारा की जा रही है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

डांडिया, गरबा के लिए लाउडस्पीकर, डीजे बजाने की जरूरत नहीं...

न्यायालय एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें ध्वनि प्रदूषण नियम, 2000 के तहत एक खेल के मैदान पर चल रहे नवरात्रि उत्सव के लिए साउंड सिस्टम के उपयोग पर रोक लगाने का निर्देश देने की मांग की गई थी, जिसे साइलेंस जोन घोषित किया गया था। कोर्ट ने अपने फैसले में नवरात्रि के दौरान पूजा का महत्व समझाया। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा, नौ रातों तक जो पूजा की जाती है वह शक्ति का एक रूप है। शक्ति की देवी की पूजा तभी प्रभावी होती है जब वह बिना किसी हिचकिचाहट के, बिना किसी हिचकिचाहट के हमारे आस-पास के वातावरण से आने वाले मन की अशांति के बिना की जाती है। जिससे दूसरों को कोई परेशानी हो। इसलिए एक सवाल उठता है कि क्या नवरात्र महोत्सव क्या शोर या दूसरों को झुंझलाहट और अशांति पैदा करने के तरीके के बिना नहीं मनाया जा सकता? इस पर पीठ ने कहा कि नवरात्र उत्सव में भगवान की की पूजा तब तक संभव नहीं है जब तब आप अधिष्ठाता देवता की आराधना के लिए पूर्ण एकाग्र न हो। ऐसे में अगर शरीर और मन की सभी ऊजाएँ किसी और चीज पर केंद्रित होंगी तो अराधना कैसे होगी। एक सच्चा भक्त अपनी भक्ति व्यक्त करना चाहता है और बिना परेशान हुए और दूसरों को परेशान किए बिना देवता की पूजा करना चाहता है। निश्चित रूप से एक सच्चा भक्त बाहरी दुनिया से किसी भी प्रकार की अशांति प्राप्त किए बिना अपनी भक्ति व्यक्त करना और देवता की पूजा करना चाहता है और वह स्वयं अपनी पूजा और भक्ति की अभिव्यक्ति में दूसरों को कोई बाधा नहीं पहुंचाएगा।'

खुश नहीं, शांति चाहती हूं...

पुलिस को अंदेशा है कि उसने अवसाद में आकर आत्महत्या जैसा भयानक कदम उठाया क्योंकि सुसाइड नोट में उसने लिखा है कि वह खुश नहीं है और शांति चाहती है। वसोर्वा पुलिस थाने में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना का पता तब चला जब होटल के प्रबंधक ने पुलिस को सूचित किया। जब अकांक्षा होटल के कमरे से बाहर नहीं आई तो कर्मचारी ने कमरे का दरवाजा खटखटाया। कई बार दरवाजा खटखटाने के बाद भी नहीं खुला, जिसके बाद उन्हें कुछ शक हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम होटल पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी। कमरे के पंखे से उसका शव लटकता हुआ मिला। अधिकारी ने कहा कि घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें लिखा है 'मुझे माफ करना। कोई भी इस घटना के लिए जिम्मेदार नहीं है। मैं खुश नहीं हूं। मुझे शांति चाहिए।

बीएमसी और बेस्ट कर्मचारियों के लिए दिवाली बोनस का ऐलान

शिवसेना करीब 30 साल से बीएमसी पर राज कर रही है। दिवाली पर बोनस की घोषणा निकाय चुनाव को लेकर सियासी दांव माना जा रहा है। 2017 के नागरिक निकाय चुनावों में, शिवसेना ने 84 सीटें जीतीं थीं। 227 सदस्यीय निकाय में सबसे कम सीटें इसी चुनाव में आई हैं। वहीं बीजेपी को 82 सीटें मिली थीं। अब बीजेपी का फोकस बीएमसी चुनाव पर है। एकनाथ शिंदे की घोषणा के बाद माना जा रहा है कि बीएमसी चुनाव में इसका असर पड़ेगा। महज कुछ सीटों से पीछे बीजेपी इस दांव से बीएमसी में अपना मेयर बना सकता है। बीएमसी चुनाव का पांच साल का कार्यकाल खत्म हो चुका है। फिलहाल बीएमसी एक प्रशासक चला रहे हैं। सभी पार्टियां बीएमसी चुनाव की तैयारियां कर रही हैं। शिवसेना का दावा है कि इस बार फिर से बीएमसी पर उनका कब्जा होगा। वहीं बीजेपी, शिवसेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे और राज ठाकरे के सपॉर्ट से इस बार शिवसेना को बीएमसी से बाहर करने की तैयारी में है। बोनस का ऐलान करते हुए शिंदे ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान कई कठिनाइयों का सामना करने वाले नागरिक निकाय के कर्मचारी अच्छा काम कर रहे हैं। न केवल डॉक्टरों, बल्कि पूरे मेडिकल स्टाफ ने मुंबई में कोविड -19 की स्थिति को नियंत्रण में रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राज कुंद्रा ने सीबीआई को लिखा लेटर

खबर के अनुसार राज ने अपने लेटर में कई पुलिस अधिकारियों के नाम भी लिखे हैं। राज ने लिखा है कि 4000 पन्नों की उस चार्जशीट में कहीं भी उनका नाम नहीं था। इसके बावजूद पुलिस ने उन्हें पूरी तरह से बदनाम करने की कोशिश की। हर गवाह पर उनके खिलाफ स्टेटमेंट देने के लिए दबाव डाला गाया। राज ने अपनी शिकायत में सीबीआई से कहा है कि वो उन सभी गवाहों की जानकारी देंगे, जो इस बात की गवाही देंगे। जिन लोगों ने उन्हें इस मामले में फंसाया है, उनके पुलिस से अच्छे रिश्ते हैं।

क्रांतिकारी भगत सिंह ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे: अनिल सिंह चौहान

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। शहीद ए आजम भगत सिंह की 115 वीं जयंती पर बहराइच में जनता उन्नति पार्टी द्वारा भगतसिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए याद किया गया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि अनिल सिंह चौहान ने कहा कि भगत सिंह ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे। सबसे पहले हमें यह सोचना और समझना चाहिए कि उस समय विकट परिस्थितियों में हमें आजादी कैसे मिली? क्योंकि 23 साल की उम्र में भगत सिंह भारत मां और इस देश के लिए क्रांतिकारी और इंकलाबी बन गए। भगत सिंह ने किशोरावस्था में ही आजादी की राहें अख्तियार कर ली। भगत सिंह के आदर्शों को आत्मसात करने पर ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि भगत सिंह ने जिस बहादुरी से ब्रिटिश सरकार का मुकाबला किया उसे भुलाया नहीं जा सकता हैं। चौहान ने कहा कि भगत सिंह के क्रान्तिकारी तेवरों को देखते हुए अंग्रेजों ने उन्हें एक दिन पहले ही फांसी पर लटका दिया था मगर भगतसिंह के बलिदान की अनमोल यादें आज भी ताजा और प्रत्येक भारतीय के दिल में बरकरार है। चौहान ने कहा कि भगत सिंह के साथ साथ और भी कई बेनाम देशभक्त हुए जिनके इस देश के लिए दिए गए बलिदान और अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। पार्टी के सभी पदाधिकारियों ने अपने भाव प्रकट करते हुए क्रांतिकारी भगत सिंह को याद किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह चौहान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष द्रविन चौहान, राष्ट्रीय महासचिव हेमंत ठाकुर, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री रामेंद्र सिंह चौहान, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री रामचन्द्र, राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रोफेसर हरि सिंह आदि ने अपने अपने भाव प्रकट करते हुए भगत सिंह को याद किया गया।

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को बैन करने पर बसपा सुप्रीमो का सवाल – आरएसएस पर भी बैन क्यों नहीं?

बीते दिनों केंद्र सरकार ने इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर बैन लगाने का फैसला लिया जिसके बाद विपक्षी पार्टियां इसे तुष्टिकरण की राजनीति बताकर सत्ता पक्ष पर लगातार हमले कर रही है। अब बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने केंद्र सरकार पर ताजा हमला बोला है। बसपा सुप्रीमो का कहना है कि पीएफआई पर प्रतिबन्ध राजनीतिक स्वार्थ और संघ तुष्टीकरण से प्रेरित है। मायावती ने कई विपक्षी नेताओं की तरह आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) पर भी प्रतिबन्ध लगाने की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि इस प्रतिबन्ध के पीछे केंद्र सरकार सत्ता पक्ष बचेनी ज्यादा है। तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मायावती ने कहा जिस तरह केंद्र सरकार को पीएफआई देश के लिए खतरा लगती है तो उसके जैसी अन्य संस्थाओं पर भी बैन लगाना चाहिए जिनमे से एक आरएसएस भी है। बसपा प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को ट्वीट करते हुए कहा अब विधानसभा चुनावों से पहले केन्द्र सरकार द्वारा देश भर में पुल्स फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ की गई कार्रवाई के बाद संगठन और उसके आठ सहयोगी संगठनों पर प्रतिबन्ध लगा दिया है। आम जनता इसे राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित नीति मान रहे हैं और उनमें संतोष कम व बेचैनी ज्यादा है। केंद्र पर तीखा हमला बोलते हुए मायावती ने एक और ट्वीट में कहा इस मुद्दे पर विपक्षी पार्टियां इस मुद्दे पर इसलिए आक्रोशित है क्योंकि उन्हें केंद्र सरकार की नियत में खोट साफ नजर आ रहा है।

संस्कार के बिना शिक्षा अधूरी है : स्वामी दयानंद सरस्वती

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा कस्बे के केशव सीनियर सेकेंडरी स्कूल के उच्च माध्यमिक भैया बहनों का संस्कार सत्र के दौरान कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में दीप प्रज्वलन के साथ दीप मंत्र हुआ तत्पश्चात स्वामी जी व अतिथियों का स्वागत किया गया जिसमें संरक्षक पंजाब प्रांत से पधारे विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल के सदस्य श्री श्री 1008 स्वामी दयानंद जी सरस्वती ने कहा कि मोबाइल के गुलाम छात्रों को नहीं, बल्कि मोबाइल छात्रों से गुलाम हो, नित्य माता-पिता को प्रणाम करना , तिलक व स्वाध्याय का महत्व समझाते हुए हम राष्ट्र धर्म को नहीं भूलने का संदेश दिया कि

संस्कार नहीं तो शिक्षा अधूरी है इस कार्यक्रम के दौरान प्रतिभावान छात्र झलक रानी जैन 95%, काजल गुर्जर 94% आरती तेली 93%, हर्षित तिवारी 94%, योगेश कहार 92%, धनराज कहार स्काउट गाइड में सर्वश्रेष्ठ तथा राष्ट्रपति अवार्ड में दुर्गा लाल , निखिल नायक अनिल, राजेंद्र, मनीष कहार अंजलि साहू, अंतिमा घुसर आरती तेली, खुशी धाकड़ तथा राष्ट्रभक्ति गीत तेरी मिट्टी में मिल जाऊं पर भंवर कहार ने नृत्य किया जो रोमांचक रहा। कार्यक्रम में संरक्षक स्वामी दयानंद सरस्वती तथा अध्यक्षता विद्यालय के निदेशक रामेश्वर लाल धाकड़ तथा मुख्य अतिथि पूर्व उप प्रधान बजरंग सिंह राणावत एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व जीएसएस अध्यक्ष राजेंद्र बोहरा व डीएनटी के प्रदेश मीडिया प्रभारी मुकेश प्रजापत थे। मंच का संचालन स्काउट प्रभारी नवनीत सिंह राणावत ने किया। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

मेगा कोविड टीकाकरण केन्द्र पर सैकड़ों लोगों की लगी बूस्टर डोज

नवाबगंज, प्रयागराज। गुरुवार को सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कौड़िहार में मेगा कोविड टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक गुरु प्रसाद मौर्या मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।मेगा कोविड टीकाकरण के अंतर्गत सैकड़ों लोगों को बूस्टर डोज लगाई गई।इस अवसर पर विधायक गुरु प्रसाद मौर्या ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान पूरे देश के लोगों को

मुफ्त में वैक्सीन लगवाई जिससे आज सभी लोग सही सलामत है अब भाजपा सरकार सबको मुफ्तमें बूस्टर डोज भी लगा रही है।सभी लोग अपना आधार कार्ड लेकर आएं और बूस्टर डोज जरूर लगवाएं जिससे हमारी यूनिटी और मजबूत हो सके। मौके पर बूस्टर डोज लगवाने वालों में मुख्य रूप से भाजपा नेता व सांसद मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, मंडल महामंत्री ऋतुराज पाण्डेय, युवामोर्चा मंडल अध्यक्ष कुलदीप शुक्ला, महेन्द्र पाण्डेय,संजीव शुक्ला, गुड्डू राजा,राजन दुबे शामिल रहे। मंडल अध्यक्ष कौड़िहार राजू पाल, मंडल अध्यक्ष प्रशान्त गुप्ता, पूर्वमंडल अध्यक्ष राजेन्द्र मिश्रा, विनोद ओझा, विक्रम श्रीवास्तव, सचिन शर्मा, सीएचसी प्रभारी डॉ0 अनुराग तिवारी, एच0ई0ओ0 दिनेश यादव, बीपीएम अमित सिन्हा, रमेश त्रिपाठी, देवकी नंदन, प्रमोद त्रिपाठी, फार्मासिस्ट मधुकर श्रीवास्तव मौजूद रहे। एन0 एम0 पुष्पांजलि चौधरी ने सभी को बूस्टर डोज लगाया।

राजस्थान में आईएएस और आरएएस की पढ़ाई करने वाली प्रतिभाओं के सारथी बनेंगे कलेक्टर नीरज के. पवन

(जयपुर की राजीव गांधी वेलफेयर सोसायटी एक पहल द्वारा संचालित की जाएगी निशुल्क कक्षाएं)

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। प्रदेश भर में राजीव गांधी वेलफेयर सोसाइटी एक पहल द्वारा आईएएस और आरएएस की निशुल्क कक्षाओं का अक्टूबर महीने से प्रसारण प्रारंभ होने जा रहा है इसका उद्देश्य कोचिंग इंडस्ट्री की लगातार बढ़ती फीस, बढ़ती महंगाई, युवाओं पर पड़ते सफलता के दबाव और ग्रामीण क्षेत्र की निर्धन प्रतिभाओं के आईएएोर महिलाओं के उच्च अधिकारी बनने के अवसरों कि उपलब्ध करवाना है सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि जिस उम्र अवस्था में एक बेटी अपने पिता से आईएएस बनने के लिए तैयारी करने के लिए कहती है उस उम्र में पिता चाहता है कि वह जीवन की जमा की गई पूंजी से उसकी शादी में दहेज में लगा दे ताकि उसे एक अच्छा वर मिल जाए तैयारी और शादी के दहेज में से पिता हर बार दहेज को ही चुनता है जिससे

न जाने कितनी ही महिलाओं के आईएएस बनने का सपना टूट जाता है अब इस सपने के बीच फीस नहीं आएगी। देव अमित सिंह द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार नीरज के पवन संभाग आयुक्त बीकानेर स्वयं आईएएस के प्रति योगियों के लिए भूगोल विषय और मनोविज्ञान से संबंधित कक्षाओं का अध्यापन कार्य करवाएंगे जिसका प्रसारण प्रदेश के विद्यालयों महाविद्यालयों आवासीय विद्यालय और विश्वविद्यालयों में किया जाएगा कक्षाएं नियमित रहेंगी आईएएस ऑफिसर की कक्षाओं को शनिवार और रविवार को वीकेंड रखा गया है। सीनियर आईएएस नीरज के पवन हमेशा सामाजिक कार्यों के लिए भी सुर्खियों में बने रहते हैं पिछले बार वह जब सुर्खियों में आए थे सड़क हादसे में एक व्यक्ति को अपनी गाड़ी से हॉस्पिटल पहुंचाया था इस बारे कलेक्टर से शिक्षक प्रदेश भर में वह एक नई मिसाल देंगे कलेक्टर के रूप में तो वह प्रदेशभर में अपना प्रभाव दिखा चुके हैं अब देखना यही है कि छात्र एवं छात्राओं पर उनके इस अंदाज का क्या प्रभाव पड़ता है। जब हमने इस संस्थान के बारे में देव अमित सिंह से जाना तो उन्होंने बताया कि पिछले 5 वर्षों से हम लगातार निशुल्क आईएएस और आर एस की कक्षाओं का संचालन कर रहे हैं इस संस्था के प्रदेश में स्थापित होने और इस स्तर पर पहुंचने के पीछे सबसे बड़ा योगदान सीनियर आईएएस नीरज के पवन सर का है जिनकी वजह से मैं आज यहां तक पहुंचा हूं मैं उनका हमेशा ऋणी रहूंगा और हमेशा उनके बताए मार्ग पर चलता रहूंगा।

उद्योगपति मुकेश अंबानी की सुरक्षा गृह मंत्रालय ने बढ़ाई

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मशहूर उद्योगपति मुकेश अंबानी की सुरक्षा बढ़ा दी है। उन्हें अब जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा दी जाएगी। इसके पहले अंबानी के पास जेड कैटेगरी की सुरक्षा थी। जेड प्लस सबसे उच्च श्रेणी की सुरक्षा मानी जाती है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार देश के बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी की सुरक्षा अब जेड से बढ़ाकर जेड प्लस कर दी गई है। ये फैसला इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की थ्रेट परसेप्शन रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक अपनी सुरक्षा पर आने वाले खर्च का भुगतान खुद मुकेश अंबानी करेंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जब से मुकेश अंबानी के मुंबई स्तिथ घर एंटीलिया के पास विस्फोटक मिला था, तब से ही उनकी सुरक्षा बढ़ाने पर विचार किया जा रहा था। अब जेड प्लस सुरक्षा मिलने के बाद सीआरपीएफ के करीब 50-58 कमांडो उनकी सुरक्षा में तैनात रहेंगे। गौरतलब है कि पहली बार मुकेश अंबानी को साल 2013 में भुगतान के आधार पर जेड श्रेणी का सुरक्षा कवर दिया गया था। वहीं उनकी पत्नी नीता अंबानी को वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है।

बेटी बहु, बहिन मां तथा भगवान की अमूल्य धरोहर हैं: रणजीत सिंह वर्मा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान बेटी दिवस, भारतीय संस्कृति में बेटी को ईश्वर का सबसे अनमोल उपहार माना जाता है। एक परिवार के लिए, जन्म अगर बेटी सर्वोच्च शक्ति माँ दुर्गा का आशीर्वाद है। एनसीसीएचडब्ल्यूओ, जम्मू-कश्मीर को संकट में एक परिवार द्वारा संपर्क किया गया था, जिसमें एक बेटी मेडिकल इमरजेंसी में थी। आर्थिक तंगी के कारण ऑपरेशन रोक दिया गया था। अनदेखी और अनसुनी मदद करने के लोकाचार को कायम रखते हुए स्वेच्छा से दो सदस्य परिवार की मदद के लिए आगे आए। एनसीसीएचडब्ल्यूओ परिवार की ओर से, हम स्वतंत्र अग्रवाल (अध्यक्ष अग्रवाल समाज, जम्मू-कश्मीर और भारत) और नवीन जैन (एनसीसीएचडब्ल्यूओ, जम्मू-कश्मीर के समन्वयक) के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने सर्जरी के लिए पर्याप्त दान दिया। हमें लगता है, यह माता वैष्णो देवी का आशीर्वाद है, जिन्होंने इन सदस्यों से यह सेवा ली। इन दोनों सदस्यों को परिवार का आशीर्वाद हमेशा मिलता रहेगा, जिनके परिवार के सदस्य को आर्थिक सहयोग से एक नया जीवन दिया जाएगा। दयालुता के रचनात्मक भाव के माध्यम से बेटियों को श्रद्धांजलि देने का इससे बेहतर तरीका नहीं हो सकता। उक्त जानकारी एनसीसीएचडब्ल्यूओ के राष्ट्रीय पदाधिकारी रणजीत वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

जयपुर हाईकोर्ट के आदेश की पालन नही करने पर अलवर नगर परिषद व अन्य को अवमानना के नोटिस जारी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। सफाई कर्मचारियों की भर्ती मामले में राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर ने आदेश जारी कर नगर परिषद अलवर व राज्य सरकार को आदेश दिए थे। परंतु 2 वर्ष कोरोना काल को बताने के साथ समय अधिक होने पर भी कार्यवाही पूर्ण नही की। जिससे पीड़ित होकर प्रार्थिया सरोज ने न्यायालय में अवमानना याचिका दायर की। प्रार्थिया सरोज का वर्ष 2003 की भर्ती में साक्षात्कार हो चुका था, पर भर्ती निरस्त होने से अपात्र हो गई। पुनः वर्ष 2012 चयन लोगो की सूची में नाम आ गया। परंतु फिर चयनित अभ्यर्थियों को भर्ती में अनियमितता बताते हुए निरस्त कर दिया। जिससे परेशान होकर न्यायालय में रिट दायर की माननीय न्यायालय ने आदेश जारी कर दिये परतु काफी समय बाद भी पालना नही की।अवमानना

याचिका में प्रार्थिया की ओर से अधिवक्ता हितेष बागड़ी ने न्यायालय को बताया कि वर्ष 2012 में पात्र लोगों को भर्ती से अनियमितता का हवाला देकर निरस्त निरस्त कर दिया जो कि न्याय के सिद्धांत के विपरीत है। जिस पर माननीय न्यायालय ने आदेश भी किये ।पर आज तक नगर परिषद अलवर व सरकार ने कुछ नहीं किया। ऐसे में कमेटी बनाकर लंबित मामले में निस्तारण करते हुए खाली पद पर प्रार्थिया को नोकरी फि जाए। राजस्थान अन्य नगर परिषदो में चयनित उम्मीदवारों को नोकरी दी गई है। ऐसे में प्रार्थिया के साथ अन्याय हो रहा है। सभी तर्कों को को सुनने के बाद माननीय न्यायाधीश श्री प्रकाश गुप्ता ने निर्देशक स्वायत शासन विभाग एवम नगर परिषद, अलवर को अवमानना के नोटिस जारी किए। उक्त जानकारी जयपुर के वरिष्ठएडवोकेट हितेश बागड़ी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

एनसीआरबी के आंकड़े बेहद चौंकाने वाले और चिंताजनक हैं: देव अमित सिंह

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजीव गांधी वेलफेयर सोसाइटी अक्टूबर माह करेगी राष्ट्रीय स्तर पर एक पहल इंडिया कार्यक्रम का संचालन! एक पहल इंडिया कार्यक्रम से मिलेगी प्रत्येक परिवार को सालाना 3 लाख से 4 लाख रुपए की राहत! देश में राजस्थान से किया जाएगा अक्टूबर माह में एक पहल इंडिया कार्यक्रम का शुभारंभ ! राजस्थान ही नहीं संपूर्ण देश से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लाखों बेरोजगार युवाओं को कोचिंग सेंटर में कोचिंग करने और महानगरों में रहने के नाम पर सालाना लाखों रुपए खर्च करने होते हैं और उसका परिणाम परीक्षा में असफल होने पर पैसे की बर्बादी के रूप में सामने आता है सफल होने की चाह में एक युवा बार-बार कोचिंग सेंटरों में फीस भरता रहता है और परिवार लाखों रुपए के कर्जे में डूब जाता है जिसका परिणाम किसी का घर भी जाता है किसी का खेत तो कई छात्र असलता के डर से परिणाम से पहले या परिणाम के बाद आत्महत्या तक कर लेते हैं कई बार तो इन छात्रों के पिता के आत्महत्या करने की खबरें तक आती है इस वर्ष एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार सर्वाधिक आत्महत्या करने वाले लोगों में दिहाड़ी मजदूर, बेरोजगार, छात्र और किसान हैं! एनसीआरबी के आंकड़े बेहद चौंकाने वाले चिंताजनक है! अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य को लेकर एक पिता की पीड़ा इस स्तर पर होती है जिस उम्र में एक बेटी अपने पिता को आईएएस या आर एस की तैयारी के लिए कहती है उस उम्र में पिता उसकी शादी

में दहेज देने के लिए धन इकट्ठा करता है पिता की मजबूरी होती है कि वह उसको उच्च स्तरीय तैयारी करवाने के बजाय उसके भविष्य को ध्यान में रखते हुए वह दहेज को चुनता है और छात्राओं को उच्च पदों पर पहुंचने का अवसर नहीं मिल पाता है ! कोचिंग सेंटर के लुभावने आश्वासनों और सफलता की गारंटी के प्रचार प्रसार से छात्र इन महानगरों में पहुंच तो जाते हैं लेकिन सफलता के नाम पर उन्हें केवल मिलती है तो निराशा हताशा और आत्महत्या। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए राजीव गांधी वेलफेयर सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष देव अमित सिंह ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि हम प्रदेश के सभी विद्यालयों आवासीय विद्यालयों और महाविद्यालयों में निशुल्क आईएएस आर ए एस और सीईटी कोर्स की प्रतियोगी कक्षाओं का अक्टूबर माह से प्रसारण प्रारंभ करेंगे जिसमें देश भर से सैकड़ों आईएएस ऑफिसर और आर एस ऑफिसर के साथ दिल्ली जयपुर कोलकाता बंगलुरु की विषय विशेषज्ञ भी अध्यापन का कार्य करवाएंगे। प्रसारण के कुल तीन चरण रहेंगे प्रथम चरण में जिला स्तर पर लगभग 330 सेंटरों में अक्टूबर माह से कक्षाओं का निशुल्क प्रसारण प्रातः 8:00 से 11:00 के मध्य किया जाएगा! द्वितीय चरण जनवरी 2023 से तहसील स्तर पर लगभग 1500 सैंटरो पर दोपहर 2:00 से 5:00 बजे तक कक्षाओं का संचालन किया जाएगा और तृतीय चरण जून जुलाई 2023 से ग्राम पंचायत स्तर पर लगभग 11283 सेंटरों पर प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक कक्षाओं का प्रसारण किया जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उक्त अनधिकृत व्यावसायिक हॉटेल के अवैध निर्माण को एन/वॉर्ड मनपा के किस अधिकारी का प्राप्त है संरक्षण

सहायक आयुक्त संजय तात्याबा सोनावणे आखिर कार्रवाई करने का क्यों नहीं जुटा पा रहे हैं साहस?

शुरूआत व्हेज फूड जर्नी नीलकंठ बिजनेस पार्क opp. खलाई गाव घाटकोपर (प.)

जी.के फॅमिली बार आणि रेस्टॉरंट दामोदर पार्क समीप अशोक सिल्क मिल एल .बी.एस मार्ग घाटकोपर (प.)

मुंबई हलचल / अजय उपाध्याय

मुंबई। एन/विभाग मनपा घाटकोपर (पु.) के अधिनस्थ प्रभाग 126 जी.के फॅमिली बार आणि रेस्टॉरंट दामोदर पार्क समीप अशोक सिल्क मिल एल .बी.एस मार्ग और प्रभाग 130 शुरूआत व्हेज फूड जर्नी नीलकंठ बिजनेस पार्क समीप खलाई गाव घाटकोपर (प.) में कानून कायदो की धज्जीया उडा बिना परमिशन के ठेकेदार व विकाशक द्वारा व्यवसायीक हॉटेल के रूप किया जा रहा है अवैध निर्माण। बिना परमिशन के बन रहे है व्यावसायिक होटल के अवैध बांधकाम। एन/विभाग मनपा घाटकोपर के इमारती अभियंता मनपा के राजस्व को लगा रहे है लाखो का चुना। उक्त अनधिकृत नवनिमार्णाधीन हॉटेल के अवैध बांधकाम को क्यो नही किया जा रहा है जमीदोंज? कही ऐसा तो नही दुय्यम अभियंता कैलासनाथा थोरात द्वारा भ्रष्टाचार की मलाई खाकर अनधिकृत बांधकाम को संरक्षण दिया जा रहा है? मै इस अनधिकृत बांधकाम की जानकारी दुय्यम अभियंता कैलास नाथा थोरात को दी तो उन्होने बताया की अभी नवरात्र है पोलीस प्रोटेक्शन नही मिल रहा है जी के बार आणि रेस्टॉरंट को जलद से जलद तोडक कारवाई करेंगे और शुरूआत व्हेज फूड जर्नी हॉटेल रेपेरिंग कर रहा है महोदय दो मंजिला अवैध बांधकाम को रेपेरिंग बता रहे है इस से यह संशय उत्पन्न होता है कि कही उक्त अनधिकृत निर्माण मनपा के ही किसीं आला अधिकारी द्वारा पोषित तो नही जिसके चलते सहायक आयुक्त संजय तात्याबा सोनावणे कारवाई करने मे कतरा रहे है।

सहायक आयुक्त संजय तात्याबा सोनावणे एन वार्ड मनपा घाटकोपर

अधिवेशन में पारित सर्व सम्मत प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजने का निर्णय: धर्मेंद्र गहलोत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के जिला स्तरीय शैक्षिक अधिवेशन के खुले सत्र में जिलेभर के शिक्षकों एवं पदाधिकारियां द्वारा सर्व सम्मति से विभिन्न बिन्दुओं पर शिक्षकों की विभिन्न सेवारत समस्याओं एवं वेतन विसंगति निराकरण के प्रस्ताव संघ के प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत एवं महामंत्री डॉ.हनवन्तसिंह मेडतिया के आतिथ्य में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नवीन भवन सिरोही में आयोजित बैठक मैं पारित कर राज्य सरकार को भेजने का सर्व सम्मत निर्णय हुआ। शिक्षक संघ(प्रगतिशील)के प्रदेश मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार संघ (प्रगतिशील) के जिला मंत्री इनामुल हक कुरैशी ने बताया कि संघ (प्रगतिशील) प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने अधिवेशन में पारित प्रस्तावों के सम्बन्ध में कहा कि समस्त संवर्गों की चरणबद्ध पदोन्नति की प्रक्रिया अविलम्ब प्रारम्भ कर पदस्थापन करवाने, 2021-22 की डीपीसी से पदोन्नत व्याख्याता से प्रधानाचार्य पद पर पदस्थापन करने, संदर्भ व्यक्ति एवं कार्यक्रम अधिकारी से कार्यमुक्त किये गये व्याख्याताओं को आदेशों की प्रतिक्षा से हटाकर स्कूलों में अविलम्ब पदस्थापन करवाने, सेकण्ड ग्रेड से व्याख्याता पर पर पदोन्नत हुये सेवारत 9-18-27 वर्ष पर चयनित वेतन मान देने, टीएसपी से नॉन

टीएसपी क्षेत्र में स्थानान्तरण करवाने, टीएसपी क्षेत्र के तृतीय श्रेणी शिक्षकों के द्वितीय श्रेणी में पदोन्नति करवाने, अध्यापक पद पर समायोजित प्रयोगशाला सहायक 27 वर्षिय एसीपी पर 5400 ग्रेड पे (पे लेवल-13) दिलवाने, एकीकरण से बन्द स्कूलों को पुनः खोलने, शारीरिक शिक्षक के नियुक्ति के छात्र नामांकन को प्रावधान हटा कर प्रत्येक मिडिल स्कूल में शा.शि. की नियुक्ति करवाने, पीडी हैड के शिक्षकों के वेतन हेतु एकमुश्त वार्षिक वेतन बजट जारी करवाकर पहली तारीख को वेतन व्यवस्था सुनिश्चित करने, राजकीय विद्यालय प्राथमिक/उच्च प्राथमिक/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक में नामांकन में जबरदस्त वृद्धि को देखते हुए छात्र अनुपात के आधार पर शिक्षकों के नये पद सृजित करवाने, मिड-डे-मिल की व्यवस्था को सुधारने, मिड-डे-मिल चलाने हेतु एनजीओ से प्रार्थना पत्र के आधार आवंटित करवाने, शहरी क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में रिक्त पदों को भरकर शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करवाने, राज्य भर के उच्च प्राथमिक/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रिक्त पदों को भरने में विधवा-परित्यक्ताओं को प्राथमिकता देने, नवीन पद सृजित कर तृतीय श्रेणी से द्वितीय श्रेणी में सामाजिक विज्ञान विषय में पदोन्नति दिलवाने, प्रशिक्षित पैराटीचर्स, शिक्षाकर्मी, मदरसा कर्मियों को स्थाई करने तक मानदेय दुगुना करने, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी का पद नाम परिवर्तन कर उप निदेशक स्कूली शिक्षा करवाने, पारस्परिक स्थानान्तरण के लिए सक्षम अधिकारियों को छूट प्रदान करने, कुक-कम-हेल्पर के मानदेय को बढाकर दुगुना करने, प्रारम्भिक एवं माध्यमिक शिक्षा के अधिन समस्त विद्यालयों में रिक्त पदों पर स्थाई शिक्षक की नियुक्ति होने तक विद्या सम्बल योजना के तहत बेरोजगार/सेवानिवृत शिक्षकों को लगाने, बीएलओ के रूप में शिक्षकों की नियुक्ति रोकने, सातवें वेतनमान में पुनरिक्षित वेतनमान 2017 में विकल्प तिथि में छूट दिलवाने, पीडित दम्पति सत्यनारायण बैरवा एवं उनकी शिक्षिका पत्नी सविता बैरवा को न्यायालय स्थगन के बावजूद पिछले 3 वर्षों से हैरान परेशान करने वाले मुंगथला एवं खडात प्रधानाचार्य के विरूद्ध आपराधिक मुकदमा दर्ज कर कठोर दण्डात्मक कार्यवाही करवाने एवं 114 दिनों को लम्बित वेतन का अविलम्ब भुगतान दिलवाने का प्रस्ताव सदन में ध्वनिमत से पारित किया।

कानपुर में पुलिस अधिकारी के हॉस्टल में छात्राओं के अश्लील वाडियो बनाने वाला गिरफ्तार

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां के संवेदनशील रावतपुर में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के हॉस्टल में छात्राओं के अश्लील वीडियो बनाने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है जब इस घटना से भयभीत कई छात्रों द्वारा हॉस्टल छोड़कर चले जाने की भी सूचना है। वहीं पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद संबंधित घटना के बारे में उससे पूछताछ भी कर रही है। अश्लील वीडियो बनाने की इस घटना का संबंध तुलसी नगर स्थित गर्ल्स हॉस्टल से है जो कि एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सुरेंद्र नाथ तिवारी का बताया जाता है। वह इसके पहले कानपुर में भी तैनात रह चुके हैं। अश्लील वीडियो बनाया जाने का खुलासा होने पर हॉस्टल की अन्य छात्राओं ने थाने पहुंचकर हंगामा भी किया। उनका कहना है कि आरोपी वहां रोज आता था। ऐसे में शक है कि उसने दूसरी छात्राओं के भी वीडियो बनाए होंगे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अश्लील वीडियो बनाए जाने की घटना का खुलासा तब हुआ जब कल गुरुवार सुबह एक छात्रा बाथरूम में नहा रही थी। आरोप है कि इस दौरान हॉस्टल के सफाई कर्मचारी ऋषि ने बाथरूम के दरवाजे के टूटे हिस्से से मोबाइल डालकर वीडियो बनाना शुरू कर दिया। तभी छात्रा की नजर उस मोबाइल पर पड़ी। वह चीखी। उसकी आवाज सुनकर अन्य छात्राएं मौके पर पहुंचीं और ऋषि को पकड़ लिया। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस को छात्राओं ने बताया कि ऋषि हॉस्टल में काम करता है। इसीलिए वह अक्सर हॉस्टल में आता-जाता रहता है। वहां बाथरूम के दरवाजे का निचला हिस्सा टूटा हुआ है। छात्राओं के मुताबिक ऋषि उसी हिस्से में अपने मोबाइल का कैमरा ऑन करके रख देता था और वीडियो बनाता था। अश्लील वीडियो बनाए जाने की इस घटना से छात्राओं में रोशनी व्याप्त है जिसके खिलाफ उन्होंने रावतपुर थाना पहुंच कर वहां पर प्रदर्शन भी किया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

केले के पत्तों के लाजवाब फायदे, डैंड्रफ से लेकर बुखार की करता है छुट्टी

एक केला खाने से हमारे शरीर को रोजाना जितने लाभ मिलते है उतने ही लाभ केले के पत्ते से भी मिलते है। यह फायदे केले के पत्ते में खाना खाने से ही नही बल्कि अलग अलग तरह से इस्तेमाल करने पर मिलते है। यह पत्ते न केवल बीमारियां दूर करने में मदद करते है बल्कि इनसे आपकी स्किन को भी कई तरह के फायदे मिलेगें। चलिए बताते है आपको आप किस तरह से इन पत्तों का इस्तेमाल कर सकते है।

➤**डैंड्रफ** - केले के पत्ते डैंड्रफ को दूर करने में काफी मदद करते है। इसके लिए सबसे पहले केले के पत्तों को छोटे टुकड़ों में काट लें, उसके बाद पीस कर पानी में मिक्स करके पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को 15 मिनट तक बालों में लगा कर धो लें। इसके बाद बालों में माइल्ड हेयर ऑयल लगा लें, इससे डैंड्रफ काफी कम हो जाएगी। इसे हफ्ते में 2 बार इस्तेमाल करें।

➤**त्वचा** - आयुर्वेद में बताया गया है कि केले के पत्ते चेहरे के लिए काफी अच्छे होते है। यह डार्क स्पॉट्स, झुर्रियां, मुंहासे, त्वचा में जलन समस्या को दूर करने में काफी मदद करते है। इसके लिए केले की ताजी पत्तियों को पानी के साथ मिक्स करके पेस्ट बना ले। इसे मुंह या त्वचा रोग वाली जगह पर 10 से 15 मिनट लगा कर धो लें। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स व मॉइश्चराइजिंग तत्व पाए जाते है जो कि त्वचा को स्वस्थ रखते है। इससे एंजिंग की समस्या भी कम होती है।

➤**चोट** - चोट लगने या त्वचा कटने पर भी आप केले के पत्तो का इस्तेमाल कर सकते है। इससे घाव बहुत ही जल्दी ठीक हो जाते है। केले के पत्तों को धो कर पीस कर घाव पर लगा लें। इससे दर्द तो कम होगा ही साथ ही घाव भी जल्दी भर जाएगा।

➤**बुखार** - जब बुखार हो उस समय इन पत्तो को काट कर नारियल तेल में डाल कर थोड़ी देर गर्म कर लें। इसके बाद इस तेल से माथे पर मालिश करें। इससे आपको बुखार में बहुत ही जल्दी राहत मिलेगी।

मसूर दाल के होममेड फेस मास्क, अब कम पैसों में पाएं निखार

मसूद खाने में जितनी टेस्टी होती है उतनी ही सेहत के लिए फायदेमंद भी होती है। मगर आज हम आपके लिए मसूर दाल से बने कुछ ऐसे फेस पैक लाए हैं, जिससे आप खूबसूरत व निखरी त्वचा भी पा सकती हैं। जी हां, प्रोटीन, मिनरल्स और विटामिन्स से भरपूर मसूर दाल फेस पैक पिंपल्स, झुर्रियां और झाइयां जैसी स्किन प्रॉब्लम्स को दूर करने में मदद करते हैं। खास बात तो यह है कि ये पैक हर स्किन टाइप पर सूट करेंगे।

आपको मसूद दाल से बने कुछ ऐसे फेस पैक के बारे में बताते हैं, जिससे आप ग्लोइंग और बेदाग त्वचा पा सकती हैं।

● **ऐसे बनाएं मसूर दाल पाउडर**

सबसे पहले मसूर दाल को मिक्सी में स्मूद पीस लें। फिर इसे एयरटाइट कंटेनर में भरकर रख लें और जरूरत पड़ने यूज करें। अगर आप इसे बॉडी पैक के लिए इस्तेमाल करना चाहती हैं तो दाल को दरदरा रहने दें। चलिए अब हम

● **मसूर दाल, दही और बेसन**

1 टीस्पून दाल, 1 टीस्पून दही, 1 टीस्पून बेसन और चुटकीभर हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगाएं और सूखने दें। फिर चेहरे को हल्का गीला करके स्क्रब करें और पानी से साफ कर लें। इससे स्किन की डेड स्किन निकल जाएगी और आपको एक्ने व सनटैन से छुटकारा मिलेगा।

● **मसूर दाल और अंडे का पैक**

2 टीस्पून मसूर दाल पाउडर, 1 एग व्हाइट, 2 बूंदें नीबू का रस और 1 टेबलस्पून कच्चा दूध मिलाक 15-20 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। फिर इसे ताजे पानी से साफ कर लें। रोजाना इसका इस्तेमाल करने से आपके चेहरे पर ग्लो आएगा।

● **मसूर दाल और शहद पैक**

अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आपके लिए यह पैक परफेक्ट है। इसके लिए 1 टीस्पून मसूर दाल पाउडर और 1 स्पून शहदका मिक्स करके चेहरे पर 15 मिनट तक लगाएं। बाद में हल्के हाथ से रब करते हुए फेस साफ करें। इससे आपके फेस की डेड स्किन भी निकल जाएगी।

● **मसूर दाल और दूध पैक**

त्वचा पर डेड स्किन सेल्स के अलावा एजिंग के भी निशान है तो वो भी इस पैक से निकल जाएगें। इसे बनाने के लिए दाल पाउडर में दूध मिलाकर चेहरे पर लगाएं। जब यह सूख जाए तो हल्के हाथों से मसाज करते हुए इसे साफ कर लें। हफ्ते में कम से कम 2-3 बार इसका यूज करें।

● **मसूर दाल और अखरोट पाउडर**

इस एंटी-एजिंग पैक तको बनाने के लिए दाल पाउडर, अखरोट पाउडर, बेसन में पानी मिक्स करें। फिर चेहरा धोकर इसे 10-15 मिनट तक अप्लाई करें। रोजाना इसका इस्तेमाल करने से आप बढ़ती उम्र की समस्याओं से बची रहेंगी।

● **मसूर दाल, नारियल तेल और हल्दी**

एक्ने, पिंपल्स, पिग्मेंटेशन, सनटैन, सनबर्न और डार्क सर्कल्स जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए आप इस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। 1 टेबलस्पून मसूर दाल पाउडर, 2 टेबलस्पून दूध, 2-3 बूंद नारियल तेल और एक चुटकी हल्दी पाउडर मिला कर चेहरे पर लगाएं। फिर हल्के हाथों से रब करते हुए इसे साफ कर लें।

गुलकंद के ढेरों फायदे

गुलकंद न केवल एक मिष्ठान का काम करता है बल्कि यह आपकी सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याओं को भी दूर करता है। गुलकंद गुलाब की पंखुड़ियो को धूप में पका कर कैरामैलाइज करके बनाया जाता है।

ठंडक देता है गुलकंद

गुलकंद खाने के साथ सेहत के लिए काफी ठंडक भरा होता है। गर्मी के मौसम में इस खाने से सुस्ती, खुजली,बदन दर्द, थकान जैसी समस्याएं दूर रहती हैं। तीखे धूप के कारण सनस्ट्रोक या नाक बह रही हो तो धूप में निकलने से पहले दो चम्मच गुलकंद के खा लें।

● **पेट** - एसिडिटी या पेट में गर्मी पड़ गई तो गुलकंद खाने से बहुत ही जल्द राहत मिलती है। इतना ही नही यह आंतो के अल्सर, सूजन की सही रख कर लिवर को मजबूत करता है। इससे भूख व पाचन क्रिया भी ठीक रहती है। अगर कब्ज की समस्या है तो रोज रात को सोने से पहले गुलकंद खा ले जल्द ही आराम मिल जाएगा।

● **स्किन** - आंखों की रेडनेस को कम करने के साथ यह मुंह के छाले को भी दूर करता है। पिंपल्स को दूर कर त्वचा पर पड़े हुए दाग धब्बो को भी दूर करने में मदद करता है।

● **प्रजनन** - पीरियड्स के दौरान हैवी ब्लीडिंग, अनियमित ब्लीडिंग या ल्यूकोरिया की समस्या रहती है तो रोजना एक चम्मच गुलकंद लेने से यह समस्या दूर होगी।

● **दातों** रोज गुलकंद का एक चम्मच खाने से मसूड़े व दांत मजबूत रहते है। इतना ही अगर में मुंह में छाले हो गए है तो गुलकंद खाने से बहुत ही जल्द आराम मिलेगा।

● **स्ट्रेस** - स्ट्रेस को कम करने के लिए गुलकंद बहुत ही अच्छा ठ... है। यह सेंट्रल नर्वस सिस्टम को स्ट्रांग कर शरीर को मजबूत बनाने में मदद करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

करण जौहर ने किया खुलासा

शो के होस्ट करण जौहर की, तो अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर ट्रोलर्स के निशाने पर बने रहते है। करण जौहर के बॉलीवुड सितारों के साथ उनके बॉन्ड और उनकी सेक्शुऐलिटी को लेकर कई सारी बातें कही जाती है, जो सुनकर अच्छा खासा इंसान भी इन बातों को बर्दाशत न कर पाएं। ऐसे में जब शो के आखिरी में करण से पूछा गया कि वो इतनी नेगेटिविटी से डील कैसे करते हैं? तो इस सवाल का जवाब देते वक्त करण काफी इमोशनल हो गए और अपने कई सारे अनुभव शेयर करने लग गए। 'कॉफी विद करण 7' का हर एक एक एपिसोड दर्शकों को एंटरटेन करने में पीछे नहीं रहा। हाल ही में शो का आखिरी एपिसोड सामने आया जिसमें तन्मय भट्ट, कुशा कपिला, दानिश सैत, निहारिका एनएम नजर आए थे। ये सारे ही लोग जाने माने सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स है। यह एपिसोड यूं तो काफी ज्यादा एंटरटेनिंग था, लेकिन सीजन के आखिरी एपिसोड में करण जौहर काफी ज्यादा इमोश्नल होकर खुद को लेकर कई सारे बड़े खुलासे करते नजर आए।

आलिया के बच्चे की नैनी बनना चाहते हैं वरुण

बॉलीवुड में एक टाइम पर हिट और सबकी फेवरेट जोड़ी कही जाने वाली वरुण धवन और आलिया भट्ट की जोड़ी एक बार फिर सुर्खियों में आ गयी हैं। दरअसल दोनों एक साथ कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। और दोनों की जोड़ी को दर्शकों का भी खूब प्यार मिला था। वही अब ये बात तो सभी जानते हैं की आलिया भट्ट जल्द ही मां बनने वाली हैं। वही अब आलिया के साथ काम करने और एक्ट्रेस की प्रेगनेंसी को लेकर वरुण धवन ने एक बड़ी बात कह दी हैं। जिसे सुनने के बाद हर किसी के होश उड़ गए हैं। दरअसल आलिया के साथ ऑनस्क्रीन रीयूनियन की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर, वरुण ने ग्रुप से कहा की, वह मेरे दिल के बहुत करीब हैं, और हम अमेजिंग केमिस्ट्री शेयर करते हैं। हम अच्छे दोस्त हैं, हम एक-दूसरे की परवाह करते हैं और एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। मैं असल में आलिया के साथ दोबारा काम करना चाहता हूं।

कटरीना की इस बात पर बिगड़ जाते थे सलमान

बॉलीवुड की एक समय की सबसे हिट और फेवरेट जोड़ी कही जाने वाली सलमान और कटरीना की जोड़ी से तो सभी वाकिफ ही होंगे। लोगों को दोनों का प्यार, झगड़ा, दोस्ती, दुश्मनी हर चीज देखने को मिली हैं। भले ही आज कटरीना विक्की कौशल के साथ शादी रचा ली हैं। लेकिन आज भी कटरीना और सलमान की केमिस्ट्री लोगों के दिलों में जिंदा हैं। लेकिन क्या आपको पता हैं की कटरीना के एक हरकत से सलमान काफी ज्यादा चिढ जाते हैं। और इसके लिए सलमान ने कटरीना को कई बार मना भी किया हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सलमान खान को कटरीना का स्कर्ट पहनना पसंद नहीं है। सलमान ने एक बार इस बारे में अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए यहां तक कहा था कि उन्हें कटरीना को मिनी स्कर्ट में देखकर गुस्सा आया था। वही बात करें सलमान खान की कटरीना के साथ ऑनस्क्रीन कैमिस्ट्री की तो यह बेहद शानदार होती है। हालांकि, सलमान खान ऑनस्क्रीन किसी भी एक्ट्रेस को किस नहीं कर पाते क्योंकि उन्हें ऐसा करने में शर्म आती है। इसके साथ ही कटरीना कैफ के साथ बेहतरीन बॉन्डिंग होने के बावजूद भी सलमान उन्हें भी ऑनस्क्रीन किस करने में संकोच करते हैं। हालांकि सलमान और कटरीना की जोड़ी को दर्शक ऑनस्क्रीन के साथ-साथ ऑफस्क्रीन भी खूब पसंद किया करते हैं। वही मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो कहा ये भी जाता हैं की सलमान खान ही वो शख्स हैं जिन्होंने कटरीना को बॉलीवुड में एक बेहतरीन एक्ट्रेस बनने में मदद की थी।